

༄༅། བོད་ཀྱི་ནང་བསྟན་དཔེ་ཚུགས་ལྷན་ཁག་སྐྱེ་གནས།

Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W4CZ15391	ImageGroup:	I1KG12837
LCCN:	82902708	ISBN:	n/a

Title:	ཀུན་དག་འགྲོལ་ཚོགས་སྐྱོ་གསལ་རྒྱ་མཚོའི་གསུང་འབུམ། kun dga' grol chog blo gsal rgya mtsho'i gsung 'bum/
Author:	ཀུན་དག་འགྲོལ་མཚོག kun dga' grol mchog
Descriptor:	reproduced from prints from the rgyal rtse blocks from the library of tibet house
Original Publication:	n/a;n/a
Place:	new delhi
Publisher:	tibet House,
Date:	1982
Volume:	1
Total Volumes:	2
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 150 West 17th St, New York City, NY 10011, US. Comments: 9/2012





༡༡

༡༡ །དཔལ་ལྷན་ཀུན་དག་འགྲོལ་མཆོག་སྒྲེགས་པ་ལྟུ་མཆོའི་སྒྲེག་གསུང་འབྱུང་པོད་དང་པོའི་དཀར་ཆག་བཞུགས་སོ།།

༡༡

ཡུལ་འཕེལ་སྐྱོང་གི་ཁྲིམས་འཕྲུལ་	ཡུལ་འཕེལ་སྐྱོང་གི་ཁྲིམས་འཕྲུལ་ ... 1 48	ཡུལ་འཕེལ་སྐྱོང་གི་ཁྲིམས་འཕྲུལ་ ... 183 194
	ཡུལ་འཕེལ་སྐྱོང་གི་ཁྲིམས་འཕྲུལ་ ... 49 128	ཡུལ་འཕེལ་སྐྱོང་གི་ཁྲིམས་འཕྲུལ་ ... 195 226
	ཡུལ་འཕེལ་སྐྱོང་གི་ཁྲིམས་འཕྲུལ་ ... 129 138	ཡུལ་འཕེལ་སྐྱོང་གི་ཁྲིམས་འཕྲུལ་ ... 227 250
	ཡུལ་འཕེལ་སྐྱོང་གི་ཁྲིམས་འཕྲུལ་ ... 139 150	ཡུལ་འཕེལ་སྐྱོང་གི་ཁྲིམས་འཕྲུལ་ ... 251 268
	ཡུལ་འཕེལ་སྐྱོང་གི་ཁྲིམས་འཕྲུལ་ ... 151 174	ཡུལ་འཕེལ་སྐྱོང་གི་ཁྲིམས་འཕྲུལ་ ... 269 284
	ཡུལ་འཕེལ་སྐྱོང་གི་ཁྲིམས་འཕྲུལ་ ... 175 182	

1 || ཡུལ་འཕྲུལ་པ་པའི་གཙུག་པོ་ཡོད་ཀྱིས་ལམ་ལུགས་ལ་ཡུལ་འཕྲུལ་པ་པའི་གཙུག་པོ་ཡོད་ཀྱིས་ལམ་ལུགས་ལ་



卷之四

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

1201

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥३॥

[illegible]

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पांडवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ १ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ १ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

भारत

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ वषट्कारं कृत्वा नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

61

1991

॥ अथ विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥

५३ ॥ २८ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ ॐ ॥

॥ अथ ॥ अथ दया दक्षिण देव वर पद ॥ अथ दया दक्षिण देव वर पद ॥ अथ दया दक्षिण देव वर पद ॥ अथ दया दक्षिण देव वर पद ॥

॥ अथ दया दक्षिण देव वर पद ॥ अथ दया दक्षिण देव वर पद ॥ अथ दया दक्षिण देव वर पद ॥ अथ दया दक्षिण देव वर पद ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

111

15

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

७। ॥ इन्द्रमुनिर्होतुः पञ्चदेवतायामेवमब्रवीत् ॥

ॐ । दशैव यमुषा । शब्दस्यैव यमुषा यमुषा यमुषा यमुषा यमुषा यमुषा यमुषा यमुषा यमुषा यमुषा ।
 यमुषा यमुषा यमुषा यमुषा यमुषा यमुषा यमुषा यमुषा यमुषा यमुषा । यमुषा यमुषा यमुषा यमुषा यमुषा यमुषा यमुषा यमुषा यमुषा यमुषा ।
 यमुषा यमुषा यमुषा यमुषा यमुषा यमुषा यमुषा यमुषा यमुषा यमुषा । यमुषा यमुषा यमुषा यमुषा यमुषा यमुषा यमुषा यमुषा यमुषा यमुषा ।
 यमुषा यमुषा यमुषा यमुषा यमुषा यमुषा यमुषा यमुषा यमुषा यमुषा । यमुषा यमुषा यमुषा यमुषा यमुषा यमुषा यमुषा यमुषा यमुषा यमुषा ।

॥ रें रें अकं अलं ॥ अत्र यो रें रें अकं अलं ॥ अत्र यो रें रें अकं अलं ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ ८०० रेंदवदन अदर दुःख मी हों वस द' पड़े द' परि यथा मद वसु पम तु वा स ॥

[illegible]

[illegible]

۱۹۹۱

॥५॥ वरिषयवदवपुवरे॥

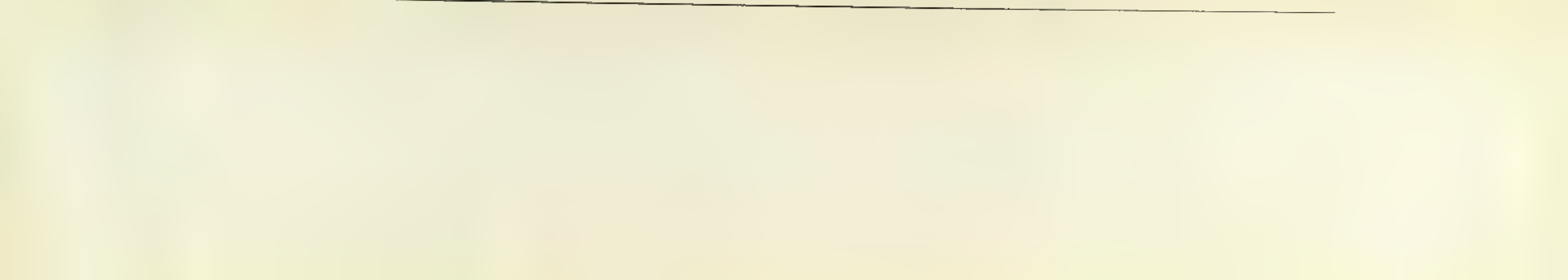
[illegible]

2020

॥ अथ ह्रिर्वेदे रसयष्टिरेष मन्त्रवृत्तः ॥

卷之四

[illegible]



॥ क र पु ण्ण त्रु ष ष ष्ठ त्रिंश द्वा य ह्ये द म्मि य ष ड्द स य त्रु ष ष्ठ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

226

७ शुभम/प्रेमम/सुखद/वे/हो/पा/म/हो/द/म/री/पा/आ/र/द/म/सु/ख/पा/म/हो/।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

251 |འབྲས་དབྱངས་གན་གིས་དབམ་ལྷན་གྱི་རྒྱུ་ཀེལ་པ་བརྗོད་པ་རིམ་ལུགས་དང་ཐུག་པ་བཞུགས་པ་རྟོ།།

[illegible]

[illegible]

नृ संज्ञा।

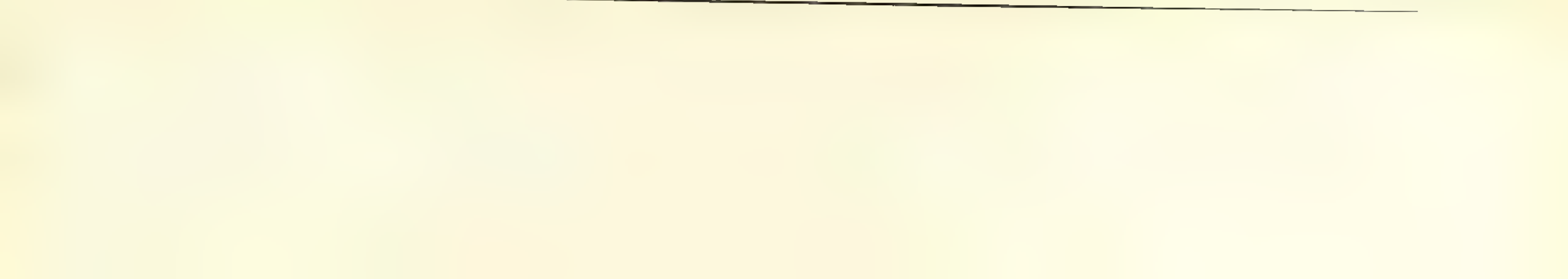
2291

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

༡༥ ལྟོད་པ་ལྟོད་པར་རྒྱུ་མཚན་གྱི་མཛད་པ་ལས་བརྒྱུ་པ་པོ།

अथर्व



559

27

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

॥४८॥





